Deg. I
Hist (Hons) P-I

PAGE NO : ①
DATE :

कन्नौज और बनारस का अभियान एवं ग्वालियर विजय :-

मुहम्मद गोरी ने राजपूतों की शक्ति के एक प्रमुख केन्द्र कन्नौज पर आक्रमण करने की योजना बनायी। कन्नौज में गहड़वार राजपूतों का राज्य था। कन्नौज का राजा जयचन्द पृथ्वीराज से शत्रुता रखता था। 1194 ई० में मुहम्मद गोरी ने कन्नौज पर आक्रमण किया। जयचन्द और मुहम्मद गोरी की सेना के बीच चन्दवार नामक स्थान में युद्ध हुआ। जयचन्द की सेना ने युद्ध में गोरी के सैनिकों का डटकर सामना किया और तुर्कों की पराजय लगभग निश्चित हो चुकी थी कि अचानक जयचन्द तीर से घायल हो गया। राजा को घायल होते देखकर राजपूत सैनिको में भगदर मच गयी। युद्ध में जयचन्द मारा गया और कन्नौज के अधिकांश समृद्ध क्षेत्रों पर तुर्कों का अधिकार हो गया। कन्नौज विजय के बाद मुहम्मद गोरी ने बनारस पर आक्रमण किया। बनारस जयचन्द का निवास स्थान था। बनारस में लगभग एक हजार मन्दिरों को नष्ट कर मुहम्मद गोरी 1400 ऊँटो पर सम्पत्ति लादकर अपने देश ले गया। कन्नौज पर तुर्कों का अधिकार 1198 ई० में हुआ। इस अभियान में मेरठ से बनारस तक का क्षेत्र तुर्कों के हाथ में आ गया। उपजाऊ क्षेत्र पर अधिकार कर लेने से मुस्लिम शक्ति का विस्तार सुगम हो गया। जयचन्द की पराजय से राजपूतों की शक्ति क्षीण हो गयी।

ग्वालियर विजय :-

जयचन्द को पराजित कर मुहम्मद गोरी मध्य एशिया में तुर्कों के साथ युद्ध करने में व्यस्त हो गया। भारतीय क्षेत्र का दायित्व -

Scanned with CamScanner

उसने अपने सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक के हाथ में सौंप दी। इस बीच कई स्थानों में विद्रोह हुए जिसे कुतुबुद्दीन ऐबक ने सफलता पूर्वक दबा दिया। कुतुबुद्दीन ने अजमेर-विद्रोह को दबाकर मुस्लिम सत्ता सुदृढ़ बना ली। 1195-96 ई० में मुहम्मद गोरी पुनः भारत आया और बयाना पर आक्रमण किया। अन्ततः कुमारपाल को पराजय स्वीकार करनी पड़ी और थंगीर के साथ-साथ विजय-मन्दिरगढ़ पर भी मुहम्मद गोरी का अधिकार हो गया। इसके बाद मुहम्मद गोरी ने ग्वालियर के दुर्ग पर आक्रमण किया। ग्वालियर का राजा सुलक्षण पाल ने दीर्घकाल तक युद्ध करने के बाद मुहम्मद गोरी की आधीनता स्वीकार कर ली।

समाप्त

Scanned with CamScanner